E-Learning Study Material

By Prof (Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE, ARA
VKS UNIVERSITY, ARA, BIHAR

BA Part third Economics Hons
Paper VIth

Effects of New Deal Policy in USA

:- लेकिन इस नीति के उद्देश्य विफल हो गये और 1936 में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा असंवैधानिक घोषित कर दिया गया।

माइकेल (Mikesell) का कहना है कि कृषि के संबंध से न्यू डील के पुनरुत्थान कार्यक्रम का उद्देश्य कृषि वस्तुओं के मूल्य तथा कृषि फार्म की आय को बढ़ाना था। मूल्य समर्थन कार्यक्रम की कसौटी समता की भावना थी। किन्तु संरचनात्मक कुसमायोजनों की समस्याओं को सुलझाने में इस सिद्धान्त की कोई मान्यता नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि मन्दी का वास्तविक कारण अत्यधिक कृषकों का होना था। राष्ट्रपति रूजवेल्ट की नीति ने इस आधारभूत रोग को दूर करने के लिए कुछ नहीं किया।

(C) तृतीय वर्ग के उपाय : आर्थिक पुनरुत्थान नीति :- ~~जब~~ जब रूजवेल्ट प्रशासन ने कार्य संभाला देश में बेरोजगारी, अर्द्ध बेरोजगारी, भूखमरी विभिन्न सामाजिक समस्याओं से वहाँ के लोग

परेशान थे जिनके समाधान के लिए रूजवेल्ट प्रशासन ने समय समय पर अधिनियम एवं सरकारी आदेश पारित किया। जिनमें कुछ प्रमुख अग्रलिखित हैं- बेरोजगार राहत अधिनियम, संघीय आपात राहत अधिनियम, संघीय आपात राहत प्रशासन, राष्ट्रीय नियोजन सेवा अधिनियम, NIRA, F.P.W.A., C.C.C, F.C.W.A., सामाजिक सुरक्षा अधिनियम, संघीय बुढ़ापा वार्षिकी योजना,। सन 1935 तक 37 राज्यों ने बुढ़ापा पेन्शन, ~~सम्बन्धी~~ अधिनियम तथा कुल 8 राज्यों ने बेकारी सम्बन्धी अधिनियम स्वीकार कर लिया था। इस प्रकार रूजवेल्ट के सहायता संबन्धी कार्यों का परिणाम बहुत ही अच्छा था। सन 1938-39 के विश्व आर्थिक सर्वेक्षण (World Economic Survey) के अनुसार सामाजिक बीमा तथा सुरक्षा संबन्धी संयुक्त राज्य अमेरिका की योजना कई रूपों में विकसित हुई। बेकारी लाभ का भुगतान सन 1938 तक अधिकांश राज्यों में होने लगा था तथा 1939 के पूर्व संघ के सभी राज्यों तथा क्षेत्रों में प्रारम्भ हो जाना था।

आर्थिक पुनरुत्थान के लिए किये गये उपायों से स्पष्ट होता है कि राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने

हीनार्थ प्रबन्ध नीति को अपनाया था। इसका अर्थ वर्द्धित आय, वर्द्धित माँग, वर्द्धित लाभ, वर्द्धित व्यावसायिक कार्य-कलाप होता है। लोक व्यय के लिए रूजवेल्ट ने अनेक अभिकरणों एवं संगठनों की व्यवस्था की थी। जिनमें - Farm Credit Administration, Home Owner Loan ~~Administration~~, Corporation, Reconstruction Finance Corporation, Direct Work Relief तथा लोक कार्य विभागों की स्थापना की गयी। लेकिन के अनुसार इन उपायों का परिणाम कम महत्वपूर्ण नहीं थे। रोजगार प्राप्त व्यक्तियों में 80 लाख की वृद्धि हुई थी। अत: सबसे अच्छा बीच का रास्ता है। ये उपाय न तो ~~बहुत~~ बहुत ही सफल रहे और न ही बहुत ही अधिक विफल। इसकी विफलता के कारणों में - प्रथमत: उद्योगपतियों एवं राष्ट्रपति में उचित सहयोग और विश्वास का अभाव था, द्वितीय, राष्ट्रपति रूजवेल्ट के विचार स्वविरोधी थे। लाभ में वृद्धि करने करने के लिए उन्होंने प्रतियोगिता में कमी करना चाहा था। साथ ही उन्होंने मजदूरी में भी वृद्धि करना चाहा और सामूहिक मोल-भाव की व्यवस्था की। इस प्रकार एक ओर तो वे लाभ में वृद्धि करना चाहते थे तथा दूसरी तरफ वे मजदूरी में भी वृद्धि करना चाहते थे जिसके फलस्वरूप लाभ में कमी हो गयी और निवेश तथा पुनरुत्थान में अधिक वृद्धि नहीं हो सकी। फिर भी प्रो० लेविस के अनुसार यह नीति आर्थिक उद्दीपन (Pump priming) के रूप में फलीभूत हुई।